>

Title: Need to set up irrigation projects in Baitul Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh.

श्रीमती ज्योति धुर्वे (बेतूल): सभापति महोदया, मैं एक बहुत ही पिछड़े और आदिवासी क्षेत्र से चुनकर आई हूं। वहां की एक बहुत ही विकराल समस्या है जो मैं यहां आपके माध्यम से सदन के सामने रखना चाहती हूं। निश्चित ही मेरा क्षेत्र कृषि पर आधारित है। किसान वहां पर दिन रात मेहनत करता है लेकिन बदले में उसे अपने परिवार को पालने में भी दो समय का भोजन जुटा पाने में वह असमर्थ रहता है। किसान को अनेक संसाधन तो हैं। हमारे पास पांच बड़ी नदियां हैं। ताप्ती वहां से निकलती है और 29 बार उन आदिवासी अंचलों को पार करते हुए वह गुजरात को जाती है। लेकिन गुजरात आज कितना खुशहाल है, यह बात पूरा देश जानता है। लेकिन जिस ताप्ती का उद्गम स्थल मेरे संसदीय क्षेत्र में उस आदिवासी बहुल में है लेकिन आज भी वह इतना पिछड़ा हुआ है कि जहां कोई उद्योग नहीं है। उस पानी से कितने बड़े बड़े प्रदेश हैं जो आज खुशहाल हैं और देश और दुनिया में अनेक बेरोजगारों को जिन्दा रख रहे हैं। लेकिन वहां का किसान आज भी भूखा है। मुझे इस बात की बहुत तकलीफ है और आज जब मेरी यह बात ज़ीरो ऑवर में सुनी जा रही है तो मुझे बहुत खुशी हुई कि इस माध्यम से मैं उनकी बातों को रखूंगी। मेरा सरकार से निवेदन है कि उन बड़ी बड़ी नदियों पर किसानों के लिए बांध बनाये जाएं। उसका जो रेवेन्यू मिल रहा है, वह उस जिले को मिले। मेरे जिले का पानी महाराष्ट्र को जाता है। महाराष्ट्र और गुजरात दोनों खुशहाल हैं लेकिन हम क्यों गरीब हैं? आज हमारा बेतूल जिला क्यों गरीब हैं? आज वहां रोजगार क्यों नहीं है? आज वहां किसान क्यों जिंदा नहीं है? क्या कारण है कि 63 साल के बाद भी किसान को उस जिले का पानी और वह चीज नहीं मिल रही है?

MR. CHAIRMAN: You have made your point. Please wind up.

श्रीमती ज्योति धुर्वे :केंद्र सरकार, यूपीए सरकार इस जिले पर ध्यान दे, इस जिले को गोद ले ताकि वहां के किसान जिंदा हों, बेरोजगारों को रोजगार मिले, महिलाओं को सशक्त करें। वहां की युवा पीढ़ी का सपना है और वह देख रही है कि शायद उन्हें भी अपना सपना साकार करने का मौका मिलेगा। मैं आपसे विश्वास लेकर जा रही हूं और मुझे लगता है कि आने वाले समय में यह जिला खुशहाल होगा। यहां बड़ी परियोजनाएं लगेंगी, बड़े उद्योगों का निर्माण होगा। मैं आपके माध्यम से अपने क्षेत्र को दिलासा देना चाहूंगी और मुझे विश्वास है कि यह हमें मिलेगा। धन्यवाद।